सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 69 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 14 अप्रैल, 2026

मूल्य ₹ 3/-

आप जो करने से डरते हैं उसे करिए और करते रहिये। अपने दर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।

–डेल कार्नेगी

अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगी... 7 | 27 विधानसभा चुनाव के लिए... 3 | प्रदेश में अन्याय अपनी चरम... 2

मोह बरकरार, मोक्ष तैयार नहीं पलटे नीतीश कुमार

नये सीएम के ऐलान के बाद शपथ ग्रहण समारोह कल

» विरोधाभासों से भरा रहा नीतीश का कार्यकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासत आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। 15 वर्षों से ज्यादा समय तक सत्ता की धुरी रहे नीतीश कुमार इस्तीफा देने जा रहे हैं और इसके साथ ही शुरू होने जा रही है एक नई राजनीतिक कहानी। एक नए मुख्यमंत्री के नाम के साथ बिहार के एक नए दौर की शुरुआत। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि नया सीएम कौन होगा? सवाल यह भी है कि बिहार अब किस दिशा में जाएगा? क्योंकि प्रकृति का अटल नियम है जो आया है वह जाएगा सूरज उगता है तो ढलता भी है।

लेकिन यक्ष प्रश्न वही है कि जब सूरज ढलता है तो वह अपने पीछे कैसी रोशनी छोड़कर जाता है? बात यदि बिहार में नीतीश कुमार के शासन की करें तो उनका कार्यकाल विरोधाभासों से भरा रहा है। एक तरफ उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण पंचायतों में आरक्षण और सामाजिक योजनाओं के जरिए अपनी एक अलग पहचान बनाई तो दूसरी तरफ कानून व्यवस्था जातीय समीकरण और जमीनी बदलाव के मुद्दों पर उन्हें लगातार आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। शराबबंदी जैसा फैसला जिसे उन्होंने सामाजिक क्रांति का चेहरा बताया आज भी बहस के केंद्र में है। क्या यह फैसला वास्तव में समाज को बदल पाया? या फिर इसने नई समस्याओं को जन्म दिया? और फिर आता है उनका सबसे बड़ा राजनीतिक हुनर सबको साथ लेकर चलने की कला। नीतीश कुमार को उस नेता के रूप में देखा गया जिसने बकरी और शेर को एक ही घाट पर पानी पिलाने की राजनीति की। गठबंधन बदले समीकरण बदले लेकिन सत्ता पर उनकी पकड़ बनी रही।

नीतीश नहीं तो कौन, और क्यों?

बिहार की सत्ता की कुर्सी आज खाली नहीं बल्कि सवालों से भरी हुई है। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद अब नजरें टिकी हैं। दोपहर 2 बजे होने वाली बीजेपी विधायक दल की बैठक पर जहां तय होगा बिहार का अगला चेहरा कौन होगा। सियासत के गलियारों में नामों की गूंज तेज है लेकिन तस्वीर अभी भी धुंधली है। सबसे आगे चल रहा नाम है डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का है। जिन्हें भाजपा का मजबूत चेहरा और संगठन का भरोसेमंद खिलाड़ी माना जा रहा है। अगर यह दांव खेला गया तो बिहार में पहली बार भाजपा पूरी ताकत के साथ मुख्यमंत्री पद पर काबिज होती दिखेगी। दूसरा नाम नित्यानंद राय का भी हवा में है। संगठन और केंद्र से मजबूत कनेक्शन उन्हें रेस में बनाए हुए है। वहीं रेनू देवी का नाम सामने आना यह संकेत देता है कि पार्टी महिला और पिछड़े वर्ग के समीकरण को भी साधने की कोशिश कर सकती है। लेकिन असली खेल नामों से ज्यादा समीकरणों का है।

सत्ता नहीं उम्मीदों का बोझ भी होगा नये सीएम पर

लेकिन अब जब यह अध्याय खत्म होने जा रहा है तो नजरें टिक गई हैं नए मुख्यमंत्री पर। क्या वह इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे? या फिर बिहार के लिए एक नई परिभाषा गढ़ेंगे? क्योंकि हर नया नेता सिर्फ कुर्सी नहीं संभालता वह उम्मीदों का बोझ भी उठाता है। उसे यह तय करना होता है कि वह पुराने पदचिन्हों पर चलेगा या फिर अपनी एक नई राह बनाएगा। आज बिहार सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं देख रहा। बल्कि यह तय होते देख रहा है कि आने वाले वर्षों में उसकी राजनीति का चेहरा कैसा होगा। आज का यह बदलाव सिर्फ चेहरे का है या फिर सिस्टम में भी कोई बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा? यही वो सवाल है जिसका जवाब अब नया मुख्यमंत्री अपने फैसलों से देगा।

भाजपा पूरा नियंत्रण अपने हाथ में लेगी?

क्या भाजपा पूरा नियंत्रण अपने हाथ में लेगी? या फिर सहयोगी दलों को संतुलित रखने के लिए कोई सहमति वाला चेहरा सामने आएगा? यही वो बिंदु है जहां सियासत शतरंज बन जाती है। हर चाल के पीछे कई परतें छिपी होती हैं। नीतीश कुमार भले ही कुर्सी छोड़ रहे हों लेकिन उनके प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। सवाल यह भी है कि क्या नया चेहरा पूरी तरह स्वतंत्र होगा या फिर रिमोट कंट्रोल की चर्चा फिर जोर पकड़ेगी? दोपहर 2 बजे की बैठक सिर्फ नेता नहीं चुनेगी बल्कि यह तय करेगी बिहार की राजनीति आने वाले वर्षों में किस दिशा में जाएगी।

नई सरकार बनने से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

नीतीश के सबसे करीबी अफसर केंद्र में भेजे गए

नई सरकार बनने से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। सीएम नीतीश कुमार के करीबी अफसरों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति मिली है, यानी कि नई सरकार बनने के साथ ही नीतीश के करीबी भी राज्य से केंद्र में चले जाएंगे, सीएम नीतीश कुमार ने अब तक इस्तीफा दिया नहीं है,उनके इस्तीफे से पहले ही ब्यूरोक्रेसी में फेरबदल देखने को मिला है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर बिहार कैडर के कई आईएएस और आईपीएसअधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर बुला लिया है। केंद्र की पहली लिस्ट में सीएम नीतीश के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

प्रदेश में अन्याय अपनी चरम सीमा पर: अखिलेश

» समाजवादी पार्टी प्रमुख ने भाजपा को घेरा
» बोले- आर्थिक अन्याय महंगाई और बेरोजगारी की वजह से भड़का नोएडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुए हिंसक श्रमिक प्रदर्शन पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने इस घटना को उत्तर प्रदेश में व्याप्त आर्थिक अन्याय, महंगाई और बेरोजगारी का परिणाम बताते हुए प्रशासन और सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने 13 अप्रैल को नोएडा फेज 2 में कर्मचारियों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में अन्याय चरम पर पहुंच गया है। हर तरह का अन्याय हो रहा है। आर्थिक अन्याय हो रहा है। बढ़ती महंगाई से अन्याय हो रहा है। बढ़ती बेरोजगारी से अन्याय हो रहा है। आज हमने नोएडा में जो देखा, उसमें मजदूर बड़े पैमाने पर अपने अधिकारों की मांग कर रहे थे।

इन घटनाओं के लिए प्रशासन और राज्य सरकार जिम्मेदार

अखिलेश यादव ने इन घटनाओं के लिए प्रशासन और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की है। वेतन असमानता पर चिंता जताते हुए यादव ने आगे कहा कि जब अन्य राज्यों में श्रमिकों के वेतन बढ़ाए गए, तो उत्तर प्रदेश सरकार ने राहत क्यों नहीं दी? यह घटना नोएडा के फेज 2 स्थित होजरी कॉम्प्लेक्स के श्रमिकों द्वारा वेतन वृद्धि की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन से संबंधित है। प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर वाहनों और संपत्ति में तोड़फोड़ की और पुलिस पर पत्थर फेंके। बताया जाता है कि अशांति के दौरान एक कार में आग लगा दी गई।

भाषण नहीं लोगों का दर्द भी सुनें सीएम

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के मुजफ्फरनगर दौरे को लेकर निशाना साधा है। सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री केवल मंच से एकतरफा भाषण देंगे या लोगों का दुख-दर्द भी सुनेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि दर्द भी आपने ही दिया है, इसलिए उसका इलाज भी आपको ही करना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री मुजफ्फरनगर जा रहे हैं तो उन्हें मेरठ में सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों से भी मिलना चाहिए या कम से कम उन्हें मिलने के लिए बुलाना चाहिए।

अखिलेश यादव ने बाबा साहेब को अर्पित की श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश में आज डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है। प्रदेश में इस वर्ष आंबेडकर जयंती केवल स्मृति दिवस के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, जागरुकता और जनसंपर्क के व्यापक अभियान के रूप में मनाई जा रही है। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बाबा साहेब को पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। कहा कि हजारों साल के संघर्ष के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। हमारा संविधान सम्मान और अधिकारों का आधार है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा संविधान बदलने की मंशा रखती है। संविधान बचाने के लिए यूपी की जनता का धन्यवाद है। संविधान कागज नहीं, लोहे की तलवार है। यह न्याय और सम्मान दिलाने वाला है। सपा प्रमुख ने अपने पोस्ट में कहा कि जब इतनी गाड़ियों से भीड़ बुलाई जा रही है तो मेरठ के दुखी परिवारों को भी बुलाया जाना चाहिए, ताकि वे अपना दर्द सीधे मुख्यमंत्री के सामने रख सकें। अखिलेश यादव ने कहा कि मुजफ्फरनगर और मेरठ के बीच ज्यादा दूरी नहीं है। ऐसे में मुख्यमंत्री को मेरठ के व्यापारियों से मिलकर उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने इशारों में कहा कि प्रदेश में कई लोग परेशान हैं और उन्हें भी अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए।

विधायक अतुल प्रधान के सामने रोईं महिलाएं, हाथ जोड़कर लगाई मदद की गुहार

मेरठ के सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर पलायन के पोस्टर लेकर धरने पर बैठी महिलाओं के बीच आज दोपहर समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान पहुंचे। इस दौरान महिलाओं ने अपनी समस्याएं बताते हुए भावुक होकर अपनी पीड़ा साझा की। बात करते-करते कई महिलाओं की आंखों से आंसू छलक पड़े। महिलाओं ने हाथ जोड़कर विधायक से मदद की गुहार लगाई और अपनी सुरक्षा व समस्याओं के समाधान की मांग की। विधायक ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से उठाया जाएगा और संबंधित अधिकारियों से बात कर उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

बाबा साहेब को सरकारें मानती तो अब तक भारत आत्मनिर्भर और विकसित हो जाता: मायावती

» बसपा प्रमुख ने बाबा साहेब आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने आवास में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश में आज डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है। प्रदेश में इस वर्ष आंबेडकर जयंती केवल स्मृति दिवस के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, जागरुकता और जनसंपर्क के व्यापक अभियान के रूप में मनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि यदि देश की केंद्र व राज्यों की सत्ता में रहने वाली पार्टियां बाबा साहेब के अति मानवतावादी, सर्वजन-हितैषी व बहुजन-कल्याणकारी संविधान के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सही से सफल हो पातीं तो भारत अभी तक आत्मनिर्भर और विकसित देश बन गया होता। साथ ही बहुजनों की गरीबी, बेरोजगारी, जातिवादी द्वेष, शोषण व जुल्म-ज़्यादती से मुक्त समता एवं न्याय-युक्त जीवन लोगों को जरूर दे

पाता। राजधानी लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने आवास पर डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर समर्थकों और कार्यकर्ताओं के नाम संदेश जारी किया। इसमें कहा कि बाबा साहेब का जीवन देश के गरीबों, उपेक्षितों, शोषितों और जातिवाद एवं सामंतवाद से पीड़ित महिलाओं समेत बहुजन समाज की सुरक्षा, सम्मान व उत्थान के लिए संघर्ष करते हुए बीता। इसकी गारंटी उन्होंने संविधान में सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। वहीं दूसरी ओर गोमती नगर के डॉ. आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर सुबह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसके लिए राजधानी में एक दिन पहले से ही बसपा समर्थकों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया।

सामाजिक न्याय के पथ पर चलकर ही होगा विकास: पल्लवी पटेल

लखनऊ। अपना दल कमेरावादी के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती, बीपी मंडल की पुण्यतिथि और डॉ. आंबेडकर की जयंती पर समता संकल्प मार्च निकाला गया। सोमवार को दारुलशफा से हजरतगंज स्थित डॉ. आंबेडकर प्रतिमा तक जुलूस निकालकर उन्हें नमन किया गया। सिराथू

विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि संविधान एवं सामाजिक न्याय के अनुरूप चलकर ही देश व समाज का विकास हो सकता है। भाजपा सरकार डॉ. आंबेडकर के प्रतीकों को पूजने और उनके विचारों और संविधान को कुचलने का कुत्सित प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीएल पटेल, महासचिव एडवोकेट गगन प्रकाश यादव व अन्य मौजूद रहे।

भाजपा संविधान से खिलवाड़ कर रही: जीतू

जन्मस्थली महू में उत्साह के साथ मनी बाबा साहेब की जयंती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती उनकी जन्मस्थली महू में अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सुबह बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू पहुंचे और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने यहां जय भीम के नारे लगाए और कहा कि अगर भाजपा को बाबा साहब से प्यार है तो दलितों पर अत्याचार क्यों किया जा रहा है?

जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा संविधान से खिलवाड़ करती है। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रमों की श्रृंखला 12 अप्रैल से ही प्रारंभ हो गई थी। आज के मुख्य कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शिरकत करेंगे और वहां उपस्थित लगभग एक लाख से अधिक लोगों को संबोधित करेंगे। पटवारी बोले- भाजपा संविधान से खिलवाड़ कर रही। जयंती के मुख्य अवसर से पूर्व महू में सोमवार देर रात ठीक 12 बजे एक भव्य दृश्य देखने को मिला। काली पलटन स्थित बाबा साहेब के जन्म स्मारक पर विशेष मानवंदना आयोजित की गई और

गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस सम्मान के तुरंत बाद जोरदार आतिशबाजी की गई जिससे पूरा आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। उस समय वहां उपस्थित हजारों अनुयायी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने और पूरा क्षेत्र जय भीम के नारों से गूंज उठा। राजनीतिक हस्तियों की बात करें तो आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी बाबा साहेब को नमन करने महू पहुंचेंगे। सुबह से ही श्रद्धालुओं समेत बड़े नेताओं का तांता लगा हुआ है और पूरा शहर भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। जगह-जगह अनुयायियों के स्वागत के लिए भव्य मंच सजाए गए हैं।

बामुलाहिज़ा
कार्टून: हसन जैदी

विकास के लिए सबसे उपयुक्त है द्रविड़ मॉडल: कनिमोझी

» डीएमके सांसद ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने पार्टी उम्मीदवार सुब्रमणियन के समर्थन में तिरुनेलवेली निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार किया और मतदाताओं से उगते सूरज के चिन्ह का समर्थन करने और वर्तमान सरकार के विकास एजेंडे को जारी रखने का आग्रह किया।

अपने भाषण के समापन में, उन्होंने मतदाताओं से डीएमके का समर्थन करने का आग्रह किया ताकि शासन के द्रविड़ मॉडल को जारी रखा जा सके और तमिलनाडु के विकास, सामाजिक न्याय और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा

सके। कनिमोझी ने अपने भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने अपने कई प्रमुख चुनावी वादे पूरे किए हैं। उन्होंने महिलाओं, छात्रों और किसानों को लक्षित कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन पहलों से तमिलनाडु भर में ठोस लाभ प्राप्त हुए हैं और पार्टी के पुन: चुने जाने पर इन्हें और आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने एनईटी परीक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इनसे तमिलनाडु के छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनके अवसरों पर प्रतिबंध लगता है। उन्होंने एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर राज्य के अधिकारों के लिए खड़े होने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। कनिमोझी ने शिक्षा, सामाजिक कल्याण और समावेशी विकास के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों के लिए वित्तीय सहायता, कौशल विकास कार्यक्रम और रोजगार सहायता जैसी योजनाओं का उल्लेख किया।

27 विधानसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में बिछी बिसात

विपक्ष देगा भाजपा को सियासी आघात

- शिक्षा मित्र, स्वास्थ्य व सुरक्षा को लेकर योगी सरकार को घेरने की तैयारी
- सपा-कांग्रेस व बसपा ने भी तैयार की रणनीति
- अखिलेश-मायावती और अजय राय तैयारियों में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 27 विस चुनाव के लिए यूपी में बिसात बिछने लगी है। जहां भाजपा हैट्रिक लगाने की जुगत में येनकेन प्रकारेण जुट गई है तो वहीं विपक्ष भी किसी भी सूरत में पीछे नहीं हटना चाहता है। सपा, कांग्रेस से लेकर बसपा तक ने अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां हिंदुत्व के दम पर वापसी की फिराक में है तो सपा पीडीए के फार्मूले व बसपा सामाजिक न्याय के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश में जुट गई है। विपक्षी पार्टियां शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा से लेकर उद्योगों तक पर योगी सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है। यूपी चुनाव के पहले राजनीतिक दलों के बीच नैरेटिव बदलने और बनाए रखने की जंग तेज हो गई है।

भाजपा, विपक्ष खासकर सपा द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों को कमजोर कर बड़ी लकीर खींचने के प्रयास में जुटी है। योगी सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय में की गई आठ हजार की एकमुश्त बढ़ोतरी इसी रणनीति का हिस्सा है। इसके सहारे भाजपा, शिक्षामित्रों सहित शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच समर्थन का ताना-बाना तो बुन ही रही है, इससे सपा द्वारा स्कूलों के विलय से लेकर शिक्षकों के अधिकारों को लेकर उठाए जा रहे सवालों को निरुत्तर करने की कोशिश में है। इस जोखिम से बचने के लिए सपा मानदेय बढ़ोतरी का नैरेटिव बदलने में जुटी है। उसके द्वारा सरकार के फैसले पर 'राहत बनाम हक' की बहस तेज करने की कोशिश हो रही है। शिक्षमित्रों का मुद्दा राजनीतिक दलों के एजेंडे में रहा है। कल्याण सिंह सरकार ने वर्ष 1999 में इनकी नियुक्ति की थी। सन 5 में मुलायम सरकार ने इनका मानदेय 2400 रुपये किया, फिर सन 7 में मायावती सरकार ने इसे तीन हजार रुपये प्रतिमाह किया था। 14-15 में अखिलेश सरकार ने प्रशिक्षित शिक्षामित्रों को समायोजित कर सहायक शिक्षक बनाया और वेतन 40 हजार रुपये तक पहुंच गया था। वर्ष 17 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा समायोजन रद करने से शिक्षामित्र मूल मानदेय पर आ गए थे, बाद में योगी सरकार ने इसे 10 हजार रुपये प्रतिमाह किया था। इसके बाद से शिक्षामित्र मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे और सपा सरकार पर लगातार सवाल खड़े कर रही थी। अब योगी सरकार ने मानदेय 18 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। प्रदेश में वर्तमान में 1,42,929 शिक्षामित्र नियुक्त हैं।

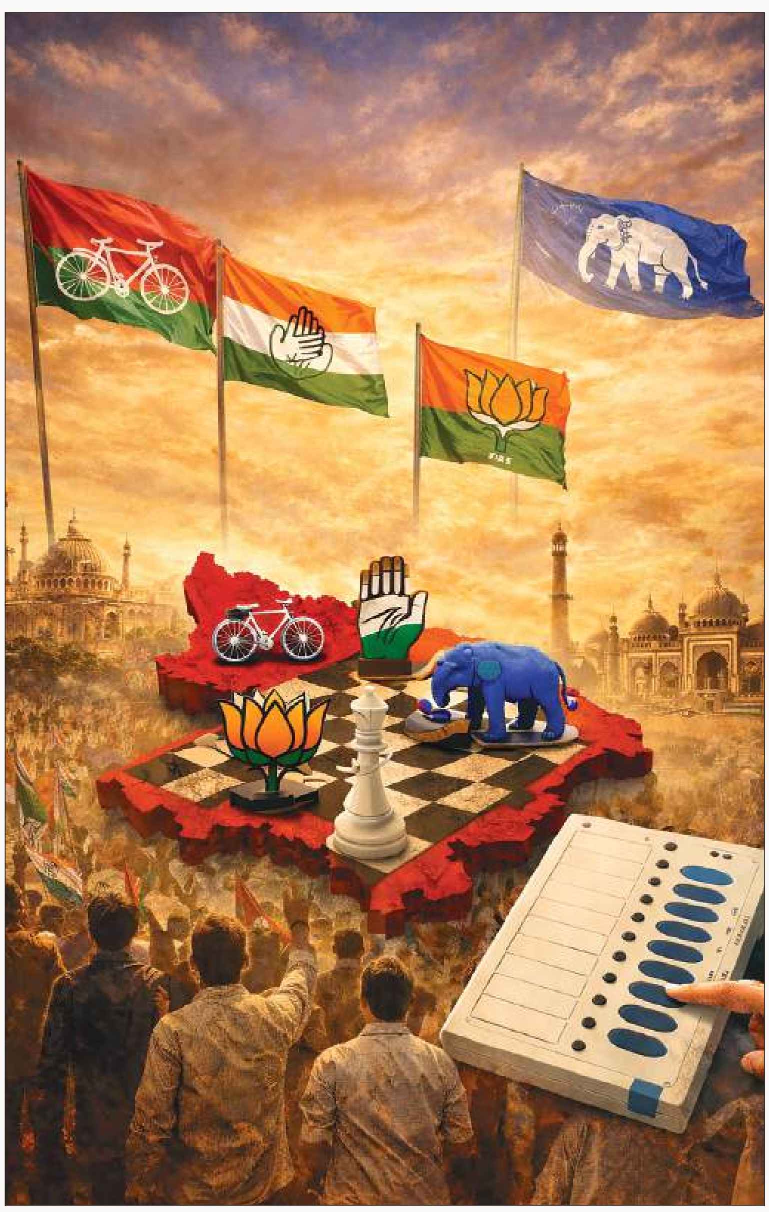

शिक्षा मित्रों पर मेहरबानी

इसके जरिए भाजपा ने एक बड़े वर्ग को साधने और प्राथमिक शिक्षा के मुद्दे पर सपा की आक्रामकता को कम करने की कोशिश की है। शिक्षामित्र न केवल खुद वोटर हैं, बल्कि अपने परिवार और सामाजिक नेटवर्क के सहारे कई सीटों पर चुनावी माहौल प्रभावित कर सकते हैं। सपा ने पूर्व में परिषदीय स्कूलों के विलय के मुद्दे पर पीडीए पाठशालाओं के सहारे भाजपा के विरुद्ध माहौल बनाने की कोशिश की थी। अब मानदेय बढ़ोतरी के बाद सपा अपने नैरेटिव को बनाए रखना चाहती है।

सपा ने शिक्षामित्रों का लिखा नया खुला पत्र

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर शिक्षामित्रों के नया खुला पत्र लिखकर यही संदेश दिया था। याद दिलाने और समझाने की कोशिश की है कि सपा सरकार ने ही उनको शिक्षक बनाया था। रणनीति शिक्षामित्रों के भीतर मौजूद असंतोष को खत्म न होने देने की है। इसके लिए सपा शिक्षक सभा को सक्रिय कर दिया गया है। संदेश दिया जा रहा है कि उनके साथ न्याय केवल सपा ही कर सकती है। ऐसे में अब यह मुद्दा सिर्फ वेतन का नहीं, बल्कि सम्मान, स्थायित्व व भरोसे का बनता जा रहा है और यही तय करेगा कि शिक्षामित्र किसके साथ खड़े होंगे।

कांग्रेस ने भी कसी कमर

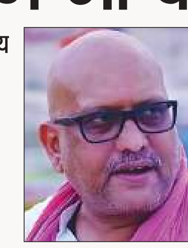

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जहां भी जनता के उत्पीड़न की शिकायतें मिले, वहां कांग्रेस कार्यकर्ता तत्काल पहुंचे और उत्पीड़न करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दें। वह प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस सूचना का अधिकार विभाग के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी के हर कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव 27 के लिए तैयार रहे। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए-1 की मनमोहन सरकार ने वर्ष 2005 में आम जनमानस को सरकार से जानकारी प्राप्त करने तथा भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए एक अधिकार के रूप में आरटीआई कानून बनाया गया था। जिसे मोदी सरकार ने अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए कमजोर कर दिया है। सूचना के अधिकार के कार्यकर्ताओं को फर्जी मुकदमों में फसाया जा रहा है जिससे सरकार का भ्रष्टाचार उजागर ना हो सके। अध्यक्षता आरटीआई विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव ने की। मौके पर मनीष हिंदवी, अनामिका यादव, अली आसिफ जमा रिजवी, डॉ. आजाद बेग, बृज मौर्या, डॉ0 अमित राय आइद मौजूद रहे।

ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद में रार !

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 27 को अभी से हलचल बढ़ गई है। भाजपा के दो सहयोगी उसे सिरदर्द देने की तैयारी में लग गए है। रैलियों का दौर अभी से ही शुरू हो चुका है। प्रमुख पार्टियों के अलावा अब घटक दल भी अपनी तैयारी में जुट चुके हैं। इसी बीच आने वाले 26 अप्रैल को वाराणसी जनपद में एनडीए के दो दलों की बड़ी रैली होने वाली है, जिसको लेकर नेताओं ने अभी से ही वाराणसी में डेरा डाला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल को कैबिनेट मंत्री संजय निषाद वाराणसी जनपद के नदेसर स्थित क्षेत्र में एक बड़ी रैली आयोजित करने जा रहे हैं। इसको लेकर वह अभी से ही वाराणसी में अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। उन्होंने इस रैली को सफल बनाने के लिए वाराणसी में ही डेरा डाला है। तो वहीं दूसरी तरफ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की तरफ से भी 26 अप्रैल को पिंडरा विधानसभा के नेशनल इंटर कॉलेज में एक महारैली आयोजित की जाएगी, जिसमें मंत्री ओमप्रकाश राजभर

शामिल होंगे। इसको लेकर सुभासपा कार्यकर्ताओं की तरफ से वाराणसी में रविवार के दिन एक बैठक आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे में अभी वक्त है, लेकिन अभी से ही अपने दावेदारी को लेकर सहयोगी दलों ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। उत्तर प्रदेश के कुछ ऐसे सीटों पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है जो निषाद वोटर बाहुल्य तौर पर देखी जाती है। अब इस पर मंत्री संजय निषाद के बयान के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि एनडीए के घटक दलों में सीटों को लेकर अभी से ही खींचातानी शुरू हो गई। ऐसे में 26 अप्रैल को वाराणसी जनपद में यह दोनों नेता मंच से क्या कहते हैं, यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

आंबेडकर जयंती बहाने बसपा ने बढ़ाई ताकत

बहुजन समाज पार्टी आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर राजधानी में बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। बसपा सुप्रीमो मायावती सुबह आठ बजे मॉल एवेन्यू स्थित अपने आवास पर डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित कर बाद में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के नाम संदेश जारी की। कार्यक्रम में दो लाख से अधिक लोगों के आने की संभावना जताई जा रही है, जिसकी तैयारियों के लिए 18 मंडलों के जोनल प्रभारियों ने राजधानी में डेरा डाल दिया। तैयारियों में जुटे पदाधिकारियों के मुताबिक सोमवार रात से कार्यकर्ताओं के राजधानी आने का सिलसिला शुरू हो गया था। पार्टी द्वारा मॉल एवेन्यू से गोमतीनगर तक पोस्टर-बैनर लगाए गए । वहीं दूसरी ओर पार्टी के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद छत्तीसगढ़ के रायपुर में और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम राजस्थान में जनसभा को संबोधित किए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बिजली उपभोक्ताओं से दोहरा बर्ताव क्यों

> बिजली कंपनियों के घाटे का ठीकरा आम जनता पर फोड़ना सही नहीं है। स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं, फिर भी उपभोक्ताओं पर दबाव और बिजली कंपनियों के घाटे का मुद्दा बना हुआ है। औद्योगिक कंपनियों को प्री-पेड मीटर के लिए बाध्य नहीं किया जाता, लेकिन आम उपभोक्ताओं को इसके लिए मजबूर किया जा रहा है।

यूपी में लखनऊ समेत कई शहरों के बिजली उपभोक्ता एक नई परेशानी से जूझ रहे हैं। जिन लोगों ने अपने घरों में स्मार्टमीटर खासतौर प्रीपेड लगवा रखा है। उनके खाते में पैसा कम होने पर बिजली कट जा रही है। शिकायत करने पर सुनवाई में देरी होने से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। हालांकि काफी विरोध के बाद सरकार इस पर ध्यान देने की बात कही है। पर ये ठीक नहीं है। सबसे बड़ी बात बिजली कंपनियों के घाटे का ठीकरा आम जनता पर फोड़ना सही नहीं है। स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं, फिर भी उपभोक्ताओं पर दबाव और बिजली कंपनियों के घाटे का मुद्दा बना हुआ है। औद्योगिक कंपनियों को प्री-पेड मीटर के लिए बाध्य नहीं किया जाता, लेकिन आम उपभोक्ताओं को इसके लिए मजबूर किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर की व्यवस्था के पीछे की मंशा यदि वास्तव में बिजली कंपनियों को घाटे से उबारना है तो यह दोहरा बर्ताव क्यों? जब किसी समस्या के समाधान का प्रयास नई समस्या पैदा करने लगे तब समझना चाहिए कि बिल्लियों के झगड़े में कोई बंदर आ गया है।

बिजली के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल खट्टर का लोकसभा में यह बयान कि स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं, जबरन इसे नहीं थोपा जा सकता और राज्यों की हकीकत में बड़ा अंतर है। मंत्री ने बताया कि विद्युत कंपनियां सात लाख करोड़ रुपए के घाटे में हैं, इसीलिए प्री-पेड स्मार्ट मीटर की व्यवस्था की गई है। बिजली कंपनियों को घाटे से उबारने के कदम के रूप में इसे उचित ठहराया जा सकता है। लेकिन, राज्य का बिजली विभाग नए मीटर के लिए दबाव बनाने लगे और स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अनाप-शनाप बिल आने से उपभोक्ता परेशान हो जाएं तो क्या कहा जाएगा। इतना ही नहीं, विद्युत उपभोक्ता अधिकार नियम, 2020 में तो यह भी व्यवस्था कर दी गई है कि नए बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट मीटर के साथ ही दिए जाएंगे। इसमें दो राय नहीं कि ऐसे बिजली उपभोक्ताओं की बड़ी संख्या है जो बिल का भुगतान करने में आनाकानी करते हैं। आम उपभोक्ता ही नहीं, बड़ी-बड़ी कंपनियां और संस्थान भी इस कोशिश में रहते हैं कि भुगतान न करना पड़े। बिजली कंपनियों के घाटे की यह बड़ी वजह है। दूसरी वजह है राजनीति। चुनाव में बिजली बिल माफ करने का वादा कर सत्ता हासिल करने वाले दल कभी किसानों को तो कभी घरेलू उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देते रहे हैं।

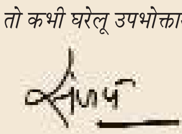

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शांति समझौते के लिए पर्दे के पीछे तुर्किये-चीन

पुष्परंजन

पाकिस्तान ने शांति समझौते का एक ऐसा प्लेटफॉर्म मुहैया कराया है, जिसमें तीनों पक्ष विजयी भाव से सीना ताने दुनिया के समक्ष खड़े हैं। बुधवार रात नेतन्याहू ने कहा, 'काम अभी अधूरा है, अभी और भी लक्ष्य पूरे करने हैं, हम उन्हें हासिल करेंगे-चाहे समझौते से, या फिर से लड़ाई शुरू करके। हमारी उंगली ट्रिगर पर है।' ईरान ने भी विजयी भाव से कहा कि हमारी भी उंगलियां ट्रिगर पर है, कभी भी दबा देंगे। दुनिया यही मान रही है कि 39 दिनों से चल रहा युद्ध खत्म हो गया। लेकिन, पिक्चर अभी बाकी है। शांति समझौते से अलग, एक और चौगुटा बैठक तुर्किये, सऊदी अरब, पाकिस्तान और मिस्र के विदेशमंत्री कर रहे हैं। पाकिस्तान ने कैसे वाशिंगटन और तेहरान का भरोसा जीता? पाक पावर कॉरिडोर के लोग बताते हैं, 'ईरान पर पहले हमले हुए, तो विदेश मंत्री इशाक डार, जो उप-प्रधानमंत्री भी हैं, सऊदी अरब में थे, और 'ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन' की एक बैठक में हिस्सा ले रहे थे।

डार ने अराघची को फोन करके अपनी एकजुटता जाहिर की।' इस्लामाबाद स्थित सनोबर इंस्टिट्यूट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कमर चीमा ने बताया, 'जब पाकिस्तान ने अमेरिकी हमलों की निंदा की, तो उसी पल उसने ईरानियों का भी दिल जीत लिया। पाकिस्तान ने जैसे स्वीकार किया, कि अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद हमने भारत से युद्ध रोक लिया, ट्रंप हम पर फिदा हो गए।' सर्वोच्च नेता अली खामेनई की हत्या के बाद कराची में 1 मार्च को प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। वहां की शिया मुस्लिम आबादी, जो पाकिस्तान की 25 करोड़ की आबादी का 15 से 20 प्रतिशत है, इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए थी। जैसे-जैसे सांप्रदायिक तनाव बढ़ा, मुनीर ने शिया धर्मगुरुओं को रावलपिंडी बुलाया, और चेतावनी दी, कि पाकिस्तान के भीतर किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यह दीगर है कि शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरु प्रिंस रहीम अल-हुसैनी ने भारत-पाकिस्तान के शासन प्रमुखों को मेल किया था, कि वो चाहें तो तेहरान में सुलह का प्रयास कर सकते हैं। प्रिंस रहीम अल-हुसैनी के अलावा तीन और शिया धर्मगुरुओं को तेहरान से विश्वास बहाली के वास्ते एक्टिवेट किया गया। इनमें शिया उलेमा काउंसिल के नेता

सैयद साजिद अली नकवी, दूसरे शिया इमाम अल्लामा नजीर अब्बास तकवी, और 'तहरीक-ए-नफाज-ए-फिक्ह-ए-जाफरिया' के प्रमुख, हुसैन मुकद्दसी का नाम आया है। बहरहाल, होर्मुज जलडमरूमध्य उन शर्तों के साथ फिर से खोलने की कोशिश है, जिनके तहत ईरान और ओमान ट्रांजटि फीस वसूल सकेंगे। अभी बहुत कुछ तय होना बाकी है, जिसमें लेबनान का सवाल भी है। ठीक से देखा जाये, तो इस पूरे शांति प्रयासों में पाकिस्तान प्यादा भर है, असल गोट तुर्किये के राष्ट्रपति रिजप तय्यिप एर्दोआन, चीनी राष्ट्रपति शी, और यूरोपीय नेता खेल रहे थे। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर को युद्धविराम के प्रयासों में एक प्रमुख वार्ताकार के रूप में देखा जा रहा है, जो विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस्लामाबाद में शक्रवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ औपचारिक बातचीत का नेतृत्व संभवत: उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे, जिनके साथ ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर भी होंगे। कुशनर पहले भी ईरान के साथ बातचीत में शामिल रहे थे। 28 फरवरी को शुरू युद्ध में अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान पर हमले किए, जिनमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई शीर्ष नेतृत्व वाले मारे गए। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस युद्ध ने 3500 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है, दुनिया की तेल सप्लाई के लगभग पांचवें हिस्सा अवरुद्ध हो गया। इस बिन बुलाये युद्ध की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है। अंकारा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की सहायक प्रोफेसर, बेतुल डोगन-अक्कास ने कहा कि पाकिस्तान के दोनों पक्षों के साथ अच्छे संबंध होने के कारण, वह मध्यस्थ की भूमिका के लिए एक स्वाभाविक पसंद बन गया।

यह हफ्तों की कड़ी कूटनीति का नतीजा है; ऐसी कूटनीति जिसके बारे में बहुत कम लोगों को यकीन था, कि पाकिस्तान कर पाएगा। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की, कि 22 से 23 मार्च के बीच, मुनीर ने सीधे तौर पर ट्रंप से बात की थी। 29 मार्च को, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में फिर से मिले। बैठक से पहले, शरीफ ने पेजेश्कियन के साथ लंबी बातचीत की पांच दिनों में यह उनकी दूसरी बातचीत थी। बातचीत के बाद, डार पेइचिंग गए, जो चीन की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

पौराणिक पर्व पर उत्साह उमंग के अनेक त्योहार

डॉ. रामजीलाल

बैसाखी का त्योहार सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता, बलिदान और समर्पण का प्रतीक है। 2016 में यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।

बैसाखी, वैशाख माह का प्रसिद्ध धार्मिक त्योहार है। यह वैशाख सौर मास का प्रथम दिन होता है। इस दिन सूर्य मेष राशि में संक्रमण करता है। इसलिए बैसाखी को मेष संक्रान्ति व विषुवत संक्रान्ति के नाम से भी संबोधित किया जाता है। बैसाख (वैशाख) के प्रथम दिन अनेक क्षेत्रों में 'सोलर नववर्ष' के त्योहार जैसे जुड़ शीतल, पोहेला बोशाख, बोहाग बिहू, विशु, व पुथण्डु भी मनाया जाता है। मान्यता अनुसार 13 अप्रैल, 1699 को दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 'सिख धर्म' की स्थापना की गई थी। बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा 'बुद्ध पूर्णिमा' को त्योहार के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह सौर कैलेंडर का प्रथम दिन है व हिंदू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लगभग 3000 वर्ष पूर्व राजा भागीरथ मुनि के रूप में कई वर्ष कठोर तपस्या के बाद गंगा नदी को पृथ्वी पर लेकर आए थे। इसे गंगा नदी अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। फलत: गंगा स्नान का विशेष महत्व है।

इस त्योहार का कृषक बिरादरी से घनिष्ठ संबंध है। इस दिन तक रबी की फसल-गेहूं, जौ, चना इत्यादि कटाई के लिए तैयार हो जाती है। बैसाखी के दिन को शुभ दिन मान कर गेहूं की कटाई करना समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। किसान प्राकृतिक आपदाओं से बचकर फसल पकने की खुशी मनाते हैं। इस दिन परंपरा के रूप में फसल की कटाई की जाती है। पंजाबी इस दिन उत्सव मनाते हैं। सिख धर्म में बैसाखी पवित्र व सर्वोत्तम त्योहार के रूप में मनाया जाता है। 13 अप्रैल, 1699 को आनंदपुर साहिब में सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह ने पंज प्यारों को दीक्षा देकर सिख धर्म की स्थापना की थी। ये पंज प्यारे भाई दया सिंह (खत्री-लाहौर), भाई धर्म सिंह (जाट हस्तिनापुर यूपी), भाई हिम्मत सिंह (झीउर-जगनाथपुरी-ओडिशा), भाई मोहकम सिंह (दर्जी-द्वारका-गुजरात) व भाई साहब सिंह (नाई-बीदर-कर्नाटक) विभिन्न क्षेत्रों व जातियों से सम्बंधित थे।

बैसाखी के दिन गुरु गोविंद सिंह ने जब हिन्दू धर्म रक्षा हेतु पांच शीष मांगे तो यह पांचों बहादुर अनुयायी बिना विलम्ब तैयार हो गए। गुरुजी ने इनको अमृतपान कराया और सिंह की उपाधि देकर, सिख की एक विशेष पहचान निश्चित करते हुए पांच 'क' केस, कंघा, कड़ा, कछेरा व कृपाण धारण करने का संदेश दिया। तब से बैसाखी पवित्र त्योहार रूप में मनाया जाने लगा। बैसाखी को भारत के विभिन्न भागों में अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। उदाहरण के तौर पर उत्तराखंड में 'बिखोती' का महत्व है।

उत्तराखंड के निवासी हरिद्वार व ऋषिकेश में गंगा नदी में स्नान को पवित्र मानते हैं। असम में 'बोहाग', 'बिहू', 'रंगली बिहू', 'असमिया नववर्ष' व 'बोहाग कैलेंडर' के रूप में मनाया जाता है। बंगाल में 14 अप्रैल को 'पाहेला बेसाख' के रूप में मनाया जाता है तथा त्रिपुरा और बंगाल में शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। तमिलनाडु में पुत्थांडु, पुथुवरूषम-तमिल नववर्ष या तमिल कैलेंडर के रूप में इस त्योहार को मनाते हैं। बिहार और मिथिला क्षेत्र में इसे जुर शीतल के रूप में मनाया जाता है। भारत के पड़ोसी मुल्कों-नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान में यह त्योहार मनाया जाता है। बैसाखी के दिन, 13 अप्रैल, 1919 अमृतसर के जलियांवाला बाग में रॉलेट एक्ट का शांतिपूर्ण विरोध करने के लिए एक जनसभा आयोजित की गई, जिसमें लगभग 20,000 व्यक्ति मौजूद थे। भारतीयों की आवाज को दबाने के लिए ब्रिगेडियर जनरल रिचार्ड डायर ने सैनिक टुकड़ी के साथ घटना स्थल पर पहुंच बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने का आदेश दिया। परिणामस्वरूप 10 मिनट में 1650 राउंड की फायरिंग में अमृतसर के सिविल सर्जन डॉक्टर सुमित के अनुसार लगभग 1800 भारतीयों की जान चली गई थी।

उधम सिंह वहां मौजूद थे और उन्होंने कसम उठाई कि वह नरसंहार का बदला लेकर रहेगा। यद्यपि वह ब्रिगेडियर जनरल रिचार्ड डायर को मौत के घाट उतारना चाहता था परंतु उसकी मृत्यु 23 जुलाई, 1927 को हो चुकी थी। 13 मार्च, 1940 को कैक्सटन हॉल, लंदन में जब माइकल ओ'डॉयर एक सभा को सम्बोधित कर रहे थे उधम सिंह ने उसको मौत के घाट उतार कर जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लिया। 31 जुलाई, 1940 को उधम सिंह को माइकल ओ'डॉयर की हत्या के आरोप में फांसी दे दी गई। बैसाखी का त्योहार सामाजिक, धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता, बलिदान और समर्पण को बढ़ावा देता है। इसीलिए सन 2016 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने मंगल शोभा यात्रा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में सम्मिलित करके इसके महत्व को और बढ़ाया है।

बहुत से लोग कटहल की सब्जी नहीं पसंद करते हैं, ऐसा होने के पीछे कई कारण हैं जिसमें एक बड़ा कारण है कि वो पहले कभी स्वादिष्ट कटहल की सब्जी टेस्ट ही नहीं किए होते हैं। इसलिए कटहल की सब्जी की ऐसी रेसिपी बनाएं जिसे खाकर आप के घर वाले अपनी उंगलियां चाटते रह जाएंगे। भारतीय व्यंजनों की विविधता में कटहल एक ऐसी सब्जी है, जो अपनी बनावट और स्वाद के कारण शाकाहारी मीट के रूप में प्रसिद्ध है। अक्सर लोग इसके चिपचिपेपन या रेशों के कड़े रह जाने की वजह से इसे पकाने से और खाने से बचते हैं, लेकिन अगर सही विधि और मसालों के तालमेल से पकाया जाए तो ये सब्जी किसी भी शाही दावत की जान बना सकता है। कटहल की असली ताकत उसका टेक्सचर है, जो धीमी आंच पर पकते समय मसालों के अर्क को गहराई तक सोख लेता है। एक लाजवाब सब्जी के लिए हमेशा कच्चे और छोटे बीज वाले कटहल का चुनाव करें। इस खास देसी स्टाइल रेसिपी में हम कटहल को हल्का फ्राई करके मसालों के साथ भूनेंगे, जिससे इसकी हर फांक में स्वादिष्ट लगेगा। यकीन मानिए जो लोग अब तक कटहल के नाम से दूर भागते थे, वे भी इस जायकेदार रेसिपी को चखने के बाद अपनी उंगलियां चाटने पर मजबूर हो जाएंगे।

कटहल से बनाएं मजेदार चटपटी शब्जी

मैरिनेशन का सही तरीका

सबसे पहले प्याज को छील लें और मिक्सी में पीसकर बढ़िया पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को एक कटोरी में निकाल लें। इसके बाद मिक्सर जार में टमाटर, मिर्च, अदरक और लहसुन डालकर बारीक पीस लें। इस पेस्ट को भी एक कटोरी में निकाल लें। कटहल को काटने से पहले हाथों और चाकू पर सरसों का तेल लगाएं ताकि कटहल का दूध न चिपके। कटहल को छोटे टुकड़ों में काटकर नमक और हल्दी के पानी में हल्का उबाल लें या सीधे सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें। फ्राई करने से कटहल के रेशे खुल जाते हैं और वह ग्रेवी को बेहतर तरीके से सोखता है। उसके बाद मैरिनेशन के लिए आप इसमें थोड़ा दही और अदरक-लहसुन का पेस्ट भी मिला सकते हैं, जो इसे अंदर से नरम और जूसी बनाता है।

धीमी आंच पर पकने का जादू

भुने हुए मसालों में फ्राई किया हुआ कटहल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसमें आवश्यकता नुसार गर्म पानी डालें (गर्म पानी डालने से स्वाद बरकरार रहता है) और ढककर धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकने दें। धीमी आंच पर कटहल मसालों के साथ एकसार हो जाता है और उसके रेशे मक्खन की तरह मुलायम हो जाते हैं। अंत में एक चम्मच देसी घी और कसूरी मेथी रगड़कर ऊपर से डालें, जो इसकी खुशबू को और बढ़ा देगा।

परोसने का तरीका

गरमा-गरम कटहल की लटपटी सब्जी तैयार है। इसे ताजी कटी हरी धनिया से सजाएं और परांठे, पूरी या चावल के साथ परोसें। यह रेसिपी न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर है। जो लोग अब तक कटहल को नापसंद करते थे, वे भी इस तरीके से बनी सब्जी के दीवाने हो जाएंगे।

सामग्री

500 ग्राम कच्चा कटहल (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ), 2 मध्यम आलू (वैकल्पिक), 4-5 बड़े चम्मच सरसों का तेल, 1 तेजपत्ता, 1 बड़ी इलायची, 2 लौंग, ½ चम्मच जीरा, 3 मध्यम प्याज (बारीक कटा हुआ), 2 टमाटर (प्यूरी या कद्दूकस किया हुआ), 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई),1 चम्मच हल्दी पाउडर, 2 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च, ½ चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच कसूरी मेथी, मुट्ठी भर हरा धनिया, 1 चम्मच देसी घी।

मसालों का संतुलन

सब्जी का असली स्वाद उसकी ग्रेवी में छिपा होता है। एक भारी तले की कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें जीरा, तेजपत्ता और बड़ी इलायची का तड़का लगाएं। बारीक कटे प्याज को सुनहरा होने तक भूनें और फिर टमाटर की प्यूरी के साथ धनिया, लाल मिर्च और गरम मसाला डालें। ध्यान रखें मसाला तब तक भूनें जब तक वह किनारों से तेल न छोड़ने लगे। यही वह स्टेप है जो सब्जी को ढाबा स्टाइल स्वाद देता है।

हंसना मना है

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफसोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल, इसे कहते है रिसायक्लिंग।

पत्नी- आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति - क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है। पत्नी गुस्से से- तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति- नहीं। बताओ तो जरा। पत्नी- जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

फ्रेंड: यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? सांता: यार करता तो बहोत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो। इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

मोहब्बत के खर्चों की बड़ी लंबी कहानी है, कभी फिल्म दिखानी है तो कभी शॉपिंग करानी है, मास्टरजी रोज कहते है कहां है फीस के पैसे? उसे समजाऊं मैं कैसे की मुझे छोरी पटानी है!

कहानी | धूर्त बिल्ली का न्याय

एक जंगल में एक बहुत बड़े पेड़ के तने में एक खोल था। उस खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज खाना ढूंढने खेतों में जाता और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया। तीतर वापस आया। खा-खाकर वह बहुत मोटा हो गया था और बहुत थक भी गया था। उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। उसे बहुत गुस्सा आ गया और कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। तीतर बार-बार खरगोश को घर से निकलने के लिए कह रहा था और खरगोश अपनी जगह से टस से मस नहीं हो रहा था। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। इस लड़ाई को एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह पेड़ के नीचे ध्यान मुद्रा में बैठ गई और जोर-जोर से ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, तुम समझदार लगती हो। हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। उनकी बात सुनकर बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

वृषभ

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन

परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें।

सिंह

धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रमाद न करें।

तुला

व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

धनु

भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेगे। प्रमाद न करें।

मकर

विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

कुम्भ

किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय होगी।

मीन

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

गलतफहमी की वजह से हाथ से निकल गई थी ओम शांति ओम : राजपाल यादव

राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम निकल गई थी।

राजपाल यादव ने बताया कि शुरुआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म बिल्लू में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि ओम शांति ओम में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे बिल्लू के सेट पर थे।

जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा बिल्लू का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम कल हो ना हो में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।

राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।

फराह खान के निर्देशन में बनी ओम शांति ओम में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल नजर आएंगे। यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

अपकमिंग फिल्म में गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं अहान

बॉलीवुड में अपनी पहली ही फिल्म से रोमांटिक इमेज बना चुके अहान पांडे अब एक अलग अवतार में नजर आने वाले हैं। वह जल्द ही एक नए ट्रांसफॉर्मेशन के साथ नजर आने वाले हैं। अली अब्बास जफर की अपकमिंग फिल्म में अहान गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का दिल जीत लिया था। डेब्यू से फिल्म से हुई कमाई ने मेकर्स को भी मालामाल कर दिया था। अब अपनी अगली फिल्म में भी वह दमदार रोल में दिखाई देंगे, जिसके लिए उन्होंने खास तैयारी भी शुरू कर दी है।

सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक अहान पांडे अब सैयारा के बाद एकदम हटकर रोल में नजर आने वाले हैं। इस रोल में उनको देखने के लिए फैंस भी काफी एक्साइटेड है। पहले हीरो बनकर लोगों के दिलों पर राज करने के बाद अब वह गैंगस्टर बनकर लोगों को चौंकाने आ रहे हैं। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी इस फिल्म के लिए अहान काफी मेहनत कर रहे हैं। सामने आ रही खबरों की मानें तो अहान अपनी इस फिल्म में अपने रोल के साथ न्याय करने के लिए खास ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। ये सब वह फिल्म में रॉ गैंगस्टर के लुक में धमाल मचाने के लिए कर रहे हैं। उनके साथ इस फिल्म में जिमी शेरगिल भी नजर आने वाले हैं। वह इस फिल्म में करीब 20 साल बाद यश राज के साथ वापसी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग 3 अप्रैल से मुंबई में शुरू की गई है। मेकर्स फिल्म की शूटिंग 2027 तक पूरी करने की कोशिशों में जुटे हैं। अहान की तारीफ में अली अब्बास ने कसीदे पढ़ते हुए कहा है कि आहान अपनी एक्टिंग में एक पुरानी ईमानदारी लेकर आते हैं। वो स्क्रीन पर इमोशन्स को सच्चाई के साथ दिखाते हैं, यही वजह है कि वह दर्शकों का दिल जीत लेते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझमें मातृत्व की भावना नहीं, मैं खुद के लिए बच्चे नहीं चाहती : शक्ति मोहन

दिसंबर 2009 में आए रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस 2' से लोकप्रियता हासिल करने वाली शक्ति मोहन अब किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वो कई रियलिटी शोज में नजर आ चुकी हैं। साथ ही इंडस्ट्री की एक जानी-मानी कोरियोग्राफर भी बन गई हैं। हाल ही में शक्ति ने अपने निजी जीवन के विभिन्न पहलुओं पर बात की। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने शादी न करने का फैसला किया। वहीं उन्होंने अपने उस रिलेशनशिप के बारे में भी बताया, जिसके धोखे ने उन्हें गहरा सदमा दिया। शक्ति मोहन ने अपनी शादी को लेकर कहा कि बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में पूछते हैं। मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा था कि क्या मुझे कोई मिल गया है। मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं। वह कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो। लेकिन मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है। जरूरी है। अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है? अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे उस दिशा में क्यों सोचना चाहिए? बच्चों को लेकर शक्ति ने कहा कि मुझमें मातृत्व की भावना नहीं है। मैं बड़ी बुआ हूं और अपने भतीजे के लिए सबसे खास हूं, लेकिन फिर भी मुझमें मातृत्व की भावना नहीं है। मैं खुद के लिए बच्चे नहीं चाहती। शक्ति ने अपने पिछले रिश्ते के बारे में भी बात की और बताया कि दो बार दिल टूटने के बावजूद जब उन्हें धोखा मिला तो उन्हें सबसे ज्यादा तकलीफ हुई। कोरियोग्राफर ने कहा कि मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला। मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया। लेकिन मेरी मां ने कहा कि वह अच्छा लड़का है, हमारा तीन साल का रिश्ता था और मुझे इसे भूल जाना चाहिए।

वह कौन सा शहर है, जो मात्र 1 दिन के लिए बना था भारत की राजधानी

भारत की राजधानी आज नई दिल्ली है। लेकिन भारतीय इतिहास में एक ऐसा अनोखा किस्सा भी दर्ज है जिसमें एक शहर मात्र एक दिन यानी 24 घंटे के लिए देश की राजधानी बना था। रह गए ना हैरान? भारतीय इतिहास का ये फैक्ट ज्यादातर लोगों को नहीं पता। स्कूलों में भी हमें यही पढ़ाया गया कि भारत की राजधानी नई दिल्ली है। जब से भारत को आजादी मिली है, तब से नई दिल्ली ही इंडिया की कैपिटल सिटी है लेकिन सिर्फ एक दिन के लिए किसी और शहर को भी कैपिटल बनाया गया था। यह शहर है उत्तर प्रदेश का प्रयागराज, जिसे पहले इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था। साल 1858 में यह घटना घटी जब ब्रिटिश साम्राज्य भारत पर अपना पूरा नियंत्रण स्थापित कर रहा था। 1857 की पहली स्वतंत्रता संग्राम (जिसे ब्रिटिश 'विद्रोह' कहते थे) को दबाने के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त करने का फैसला लिया गया। अब भारत का प्रशासन सीधे ब्रिटिश क्राउन यानी रानी विक्टोरिया के अधीन आना था। इस शक्ति हस्तांतरण की औपचारिक घोषणा के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। स्थान चुना गया इलाहाबाद। 1 नवंबर 1858 (कुछ स्रोतों में 4 जनवरी 1858 का भी जिक्र है) को इलाहाबाद के मिंटो पार्क (जिसे अब मदन मोहन मालवीय पार्क कहा जाता है) में लॉर्ड कैनिंग ने रानी विक्टोरिया की घोषणा पढ़ी। इस घोषणा में ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत का शासन ब्रिटिश सरकार को सौंपने की बात कही गई थी। ठीक उसी पल इलाहाबाद को भारत की राजधानी घोषित कर दिया गया था। उस समय इलाहाबाद उत्तर-पश्चिमी प्रांत की राजधानी था। यह शहर गंगा-यमुना के संगम पर स्थित है, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण था। क्रांति के बाद ब्रिटिश अधिकारियों ने इसे सुरक्षित और उपयुक्त स्थान माना। समारोह के बाद अगले ही दिन राजधानी का दर्जा वापस ले लिया गया क्योंकि कलकत्ता (अब कोलकाता) पहले से ही मुख्य प्रशासनिक केंद्र था। इस घटना का महत्व यह है कि यह ब्रिटिश भारत के इतिहास में एक संक्रमण काल का प्रतीक था। 1858 के बाद भारत पर सीधे ब्रिटिश पार्लियामेंट का शासन शुरू हुआ, जिसे ब्रिटिश राज कहा जाता है। इलाहाबाद को सिर्फ एक दिन का यह गौरव मिला, लेकिन इतिहास के पन्नों में यह हमेशा दर्ज रह गया।

अजब-गजब | आयरनमैन को भी नहीं पता होगा जवाब!

आखिरकार गर्म होते ही लाल क्यों हो जाता है लोहा? हरा या बैगनी क्यों नहीं आता नजर

हर रोज हम लोहे से बनी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। चाहे वह हथौड़ा हो, गाड़ी का पार्ट हो या बर्तन। लोहार जब लोहे को आग में गर्म करते हैं तो वह पहले लाल, फिर नारंगी और आखिर में सफेद चमकने लगता है। लेकिन कभी सोचा है कि लोहा गर्म होते ही लाल ही क्यों हो जाता है? हरा, नीला या बैगनी रंग क्यों नहीं दिखता?

यह सवाल इतना दिलचस्प है कि आयरनमैन जैसे सुपरहीरो को भी इसका जवाब नहीं पता होगा। आइए इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण समझते हैं। लोहे के गर्म होने के बाद लाल दिखने के पीछे साइंस है, जो ज्यादातर लोग नहीं जानते। आज हम आपको इसी का जवाब बताते हैं।

यह पूरा रहस्य ब्लैकबॉडी रेडिएशन कहलाता है। कोई भी वस्तु जब गर्म होती है तो वह ऊर्जा को विद्युत चुम्बकीय तरंगों के रूप में छोड़ती है। कम तापमान पर यह तरंगें इन्फ्रारेड (इनविजिबल हीट) होती हैं, जो हमें गर्मी का अहसास कराती हैं लेकिन आंखों से नहीं दिखती। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, तरंगों की तरंगदैर्ध्य छोटी होती जाती है और कुछ तरंगें दृश्य प्रकाश के दायरे में आ जाती हैं। दृश्य प्रकाश का स्पेक्ट्रम हम जानते हैं, लाल रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी (लगभग 700 नैनोमीटर) होती है, फिर नारंगी, पीला, हरा, नीला और बैगनी सबसे छोटी। जब लोहा लगभग 500-600 डिग्री सेल्सियस तक गर्म होता है तो सबसे पहले लाल प्रकाश ही निकलना शुरू होता है क्योंकि लंबी तरंगदैर्ध्य वाली तरंगें पहले दृश्य सीमा में प्रवेश करती हैं। यही कारण है कि लोहा रेड हॉट कहलाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, विएन का विस्थापन नियम बताता है कि तापमान बढ़ने पर पीक वेवलेंथ छोटी होती जाती है। लेकिन ब्लैकबॉडी स्पेक्ट्रम एक सिंगल कलर नहीं बल्कि पूरे स्पेक्ट्रम का मिश्रण होता है। शुरू में लाल तरंगों की तीव्रता ज्यादा होती है, इसलिए हमारा दिमाग लाल रंग ही देखता है। तापमान और बढ़ने पर नारंगी और पीली तरंगें भी जुड़ जाती हैं, जिससे रंग नारंगी-पीला हो जाता है।

अब सवाल यह कि हरा या बैगनी रंग क्यों नहीं दिखता? असल में हरे रंग की पीक वाली तापमान पर (लगभग 5000-6000 केल्विन) स्पेक्ट्रम इतना चौड़ा हो जाता है कि लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला- सब तरंगें एक साथ निकलती हैं। इन सबके मिश्रण से हमारा आंख सफेद रंग देखती है। यानी हरा रंग निकलता जरूर है, लेकिन दूसरे रंगों के साथ मिलकर सफेद बन जाता है। बैगनी या नीले रंग की पीक तो और भी ज्यादा तापमान (10,000 केल्विन से ऊपर) पर आती है, जहां कुल प्रकाश इतना तेज होता है कि वह नीला-सफेद दिखता है। लोहे का पिघलने का तापमान करीब 1538 डिग्री सेल्सियस (1811 केल्विन) है। इससे ज्यादा गर्म करने पर भी लोहा वाष्पीकृत होने लगता है। इसलिए व्यावहारिक रूप से हम लोहे को नीला या बैगनी चमकता हुआ नहीं देख पाते।

महिला आरक्षण पर राजनीति कर रहे पीएम मोदी : खरगे

» कांग्रेस का नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा में महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन उन्होंने सरकार द्वारा इसे राजनीतिक कारणों से आगे बढ़ाने की आलोचना की। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 23 में संशोधनों पर चर्चा के लिए 16 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय विशेष संसदीय सत्र से पहले, खरगे ने जोर दिया कि 15 अप्रैल को होने वाली सर्वदलीय बैठक में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि हम नारी शक्ति विधेयक के खिलाफ नहीं हैं।

मुझे (किरेन रिजिजू से) एक पत्र मिला है, लेकिन वे इसे राजनीतिक कारणों से कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि यह विधेयक उन्होंने राजनीतिक कारणों से पेश किया है। हमने 15 तारीख को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। हम सर्वदलीय बैठक में इस पर चर्चा करेंगे और आगे का फैसला लेंगे। हमने अपने कार्यकाल में यह प्रस्ताव रखा था, हम इसके खिलाफ नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन से जोड़ता है। जनगणना में देरी के कारण, केंद्र सरकार परिसीमन के लिए 11 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करने और महिला विधायकों के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने का इरादा रखती है।

29 के लोस और विस चुनाव महिलाओं के लिए पूर्ण आरक्षण में हों : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अगर 29 के लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए पूर्ण आरक्षण के साथ कराए जाते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी मजबूत और जीवंत बनेगा। देश भर की महिलाओं को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा कि महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, इसलिए विधायी निकायों में उनकी उपस्थिति बढ़ना भी उतना ही उचित है। उन्होंने आग्रह किया कि 16 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय विशेष संसदीय सत्र के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पारित किए जाएं और चेतावनी दी कि किसी भी देरी को दुर्भाग्यपूर्ण और महिलाओं के लिए अन्यायपूर्ण माना जाएगा। उन्होंने कहा, अगर 2029 के लोकसभा चुनाव और उसी वर्ष होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए पूर्ण आरक्षण के साथ कराए जाते हैं, तो हमारा लोकतंत्र और भी मजबूत और जीवंत बनेगा।

केजरीवाल ने जज को हटाने की मांग पर खुद की कोर्ट में बहस

» शराब नीति मामले में स्वयं रखा अपना पक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शराब नीति मामले में सीबीआई की याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए। उन्होंने स्वयं अपना पक्ष रखा और सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू भी उपस्थित थे। कर्जियेल ने अदालत में बोलना शुरू करते हुए कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से न्यायाधीश का सम्मान करता हूं और मैं अदालत का भी सम्मान करता हूं। पीठ ने जवाब दिया कि सम्मान पारस्परिक होता है और उन्हें मामले पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

केजरीवाल ने फिर कहा कि मैं यहां एक आरोपी की तरह खड़ा हूं, हालांकि निचली अदालत मुझे पहले ही बरी कर चुकी है। पीठ ने उन्हें न्यायाधीश को मामले से हटाने की मांग के संबंध में विशेष रूप से अपनी दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। केजरीवाल ने तर्क दिया कि 9 मार्च को उच्च न्यायालय ने सीबीआई की उस याचिका पर, जिसमें निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी, प्रतिवादियों की अनुपस्थिति में आदेश पारित किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने किसी भी प्रतिवादी की अनुपस्थिति में सीबीआई के पक्ष में आदेश पारित किया और कहा कि निचली अदालत के आदेश में प्रथम दृष्टया खामियां हैं। हालांकि, इस मामले में आरोपपत्र 4000 से अधिक पृष्ठों का है। अदालत ने इसे पढ़े बिना ही अपना आदेश जारी कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि कानून सीधा है। उनके अनुसार, मुद्दा यह नहीं है कि न्यायाधीश वास्तव में पक्षपाती है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या वादी को निष्पक्षता के संबंध में उचित आशंका है। केजरीवाल ने कहा कि वे ऐसे दस कारण प्रस्तुत करेंगे जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसी आशंका मौजूद है।

अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगी केकेआर

» आज के मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखना चाहेगी सीएसके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आईपीएल 2026 में मंगलवार को अंक तालिका में सबसे नीचे मौजूद दो टीमों का आमना-सामना होगा। पांच बार की चैंपियन सीएसके और तीन बार आईपीएल जीत चुकी केकेआर की टीमें एक दूसरे के सामने होंगी। सीएसके के लिए राहत की बात है कि उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर जीत का खाता खोल लिया है, जबकि केकेआर की टीम अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है। केकेआर जीत के लिए बेताब है। कैमरन ग्रीन ने पिछले मैच में केकेआर के लिए गेंदबाजी की। इसी तरह रिंकू सिंह मध्य क्रम में रन बनाने के लिए बेताब हैं।

केकेआर को उम्मीद होगी कि वरुण चक्रवर्ती अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर खेलने के लिए तैयार होंगे। मथीशा पथिराना को केकेआर में शामिल होने की अनुमति मिल चुकी है, लेकिन वो इस मैच में नहीं खेलेंगे। वहीं सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की। डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने से सीएसके को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की छूट मिली जिससे वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 212 रन का बचाव करने में सफल रही। सीएसके के लिए हालांकि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। वह संघर्ष कर रही केकेआर के खिलाफ एक बड़ी पारी खेलकर लय हासिल करने की कोशिश करेंगे।

सनराइजर्स ने रोका राजस्थान रॉयल्स का विजयरथ

हैदराबाद। ईशान किशन की तूफानी पारी और प्रफुल्ल हिंगे व साकिब हसन की घातक गेंदबाजी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 57 रनों से हरा दिया। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में छह विकेट पर 216 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 19 ओवर में 10 विकेट पर 159 रन ही बना सकी। उनके लिए डोनोवन फरेरा ने 69 रनों की पारी खेली। इस हार के साथ लगातार चार मुकाबलों से चला आ रहा आरआर की जीत का सिलसिला भी टूट गया। पांच में से एक मुकाबला गंवाने के बावजूद राजस्थान अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है, जबकि पांच में से दो मैच जीतकर हैदराबाद चौथे पायदान पर पहुंच गई है। हैदराबाद ने मैच की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा (0) का विकेट खो दिया था। इसके बाद ईशान किशन ने ट्रेविस हेड के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी करते हुए टीम को परेशानी से निकाला। उनके आउट होने के बाद ईशान ने क्लासेन के साथ 88 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। इसके जवाब में राजस्थान 3 ओवरों की समाप्ति तक महज 9 रन बनाकर 5 विकेट गंवा चुकी थी।

सीएम ममता का मोदी पर जोरदार हमला

» बंगाल पर बुरी नजर डालने वाले की आंख निकाल देगी जनता : ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीरभूम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला करते हुए चेतावनी दी कि अगर कोई बंगाल पर बुरी नजर डालेगा, तो जनता उसकी आंख निकाल देगी। बनर्जी ने मोदी के बार-बार सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ने के दावे पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या उनका इरादा प्रधानमंत्री बने रहने का है या बंगाल के मुख्यमंत्री बनने का।

उन्हें बाहरी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य पर ध्यान देने से पहले दिल्ली का प्रबंधन करना चाहिए। बंगाल की जनता बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करेगी। उधर गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल की ममता पर राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर को लेकर लगाए गए आरोपों को लेकर निशाना साधा और कहा कि चुनाव आयोग के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस नेता के आरोपों को तो वह समझ सकते हैं, लेकिन अब वह न्यायपालिका पर आरोप लगा रही हैं। वही ममता बनर्जी एसआईआर को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोल रही हैं। एसआईआर एक बहुत बड़ा घोटाला है। यह एसआईआर नहीं बल्कि भाजपा को सत्ता में लाने का प्रयास है। 90 लाख नाम मिटा दिए गए हैं। उन्होंने पहले कहा था कि एसआईआर के बाद मतदाता सूची में जिनके नाम नहीं हैं, टीएमसी उनका साथ देगी और एसआईआर प्रक्रिया के बाद मतुआ समुदाय के कुछ लोगों के नाम हटाए जाने का आरोप भी लगाया था। एएनआई से बातचीत में अमित शाह ने यह भी कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद राज्य में भाजपा के मुख्यमंत्री शपथ लेंगे।

बंगाल में 5 मई को भाजपा के सीएम शपथ लेंगे : शाह

यहां अपने रोड शो के दौरान अमित शाह ने विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का विश्वास जताया और कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद 5 मई को भाजपा के मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। अमित शाह ने कहा कि यह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा नहीं है। चुनाव आयोग के खिलाफ ममता बनर्जी के आरोपों को मैं समझता हूं, लेकिन अब वह न्यायपालिका को दोषी ठहरा रही हैं, क्योंकि पूरा एसआईआर न्यायपालिका के अधीन ही किया जा रहा है। उनसे तृणमूल कांग्रेस के उन आरोपों के बारे में पूछा गया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हिंदू मतदाताओं के नाम भी हटा दिए गए थे।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा पर चलेगा मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पंचकूला के इंडस्ट्रियल एरिया में 14 औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन से जुड़े सीबीआई मामले में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। ये आवंटन वर्ष 13 में किए गए थे, जब हुड्डा सीएम थे। सीबीआई ने फरवरी में हरियाणा सरकार से कानूनी कार्रवाई की मंजूरी मांगी थी।

हुड्डा के साथ-साथ राज्य सरकार ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के पूर्व अधिकारियों-पूर्व मुख्य प्रशासक डीपीएस नागल, पूर्व मुख्य वित्त नियंत्रक एससी कंसल और पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट बीबी तनेजा के खिलाफ भी अभियोजन की मंजूरी दी है। अभियोजन की अनुमति मिलने के बाद सीबीआई अब हुड्डा, पूर्व सरकारी अधिकारियों और प्लॉट आवंटियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करेगी।

डॉ. अशअर को मिला बेस्ट ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का अवार्ड

» अब तक 1500 से ज्यादा ज्वाइंट रिप्लेसमेंट एवं एआई पद्धति से 112 घुटनों का सफल प्रत्यारोपण किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। होम्योशक्ति-26 के भव्य समारोह में बेस्ट ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन अवार्ड से डॉ. अशअर अली खान को सम्मानित किया गया। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने उन्हें सम्मानित किया। डा. अशअर ने बताया कि अब मुम्बई और दिल्ली जैसी आधुनिक तकनीक, लखनऊ में ही सहज उपलब्ध है।

स्टैनफोर्ड हॉस्पिटल के एमसीएच आर्थो चिकित्सक डॉ. अशअर अली खान को विज्ञान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय, उत्कृष्ट एवं आजीवन समर्पित योगदान, मानवीय सेवा भावना तथा समाज के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए किए गए अनुकरणीय कार्यों हेतु होम्योशक्ति 026 समारोह में सम्मानित किया गया है।

बाबा साहेब की विरासत को कमजोर करने की हो रही साजिश : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने डा. आंबेडकर की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आज कुछ ताकतें बाबासाहेब की विरासत एवं संविधान को सुनियोजित तरीके से कमजोर करने में लगी है। उन्होंने यह भी कहा कि वह बाबासाहेब के विचारों की रक्षा के लिए पूरी ताकत से लड़ते रहेंगे।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने हमें सिर्फ संविधान नहीं, न्याय, समानता और सम्मान पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना दिया। लेकिन आज कुछ ताकतें सुनियोजित तरीके से बाबासाहेब की इस विरासत और हमारे संविधान को कमजोर करने में लगी हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है, अधिकारों को कुचला जा रहा है, और समता की सोच पर हमला होरहा है। उन्होंने कहा, यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है, मैं पूरी शक्ति के साथ, आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। हम सब मिल कर बाबा साहेब के सपनों के भारत को फिर से साकार करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, बाबासाहेब डॉ. बी. आर. आंबेडकर की जयंती पर, हम इस दूरदर्शी नेता को पूरी श्रद्धा से नमन करते हैं जिन्होंने भारत को इसकी नैतिक और संवैधानिक आत्मा दी।

समानता, बंधुत्व और न्याय योद्धा थे डा. आंबेडकर

बाबासाहेब न केवल भारत के संविधान के निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लिए एक योद्धा थे।'' उन्होंने कहा कि ''आज, जब संविधान पर षडयंत्रकारी हमले हो रहे हैं, तो उनके शब्द और चेतावनियां नए सिरे से पूरी तात्कालिकता के साथ गूंजती हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षण है जो साहस और दृढ़ विश्वास की मांग करता है। खरगे ने कहा, हमें केवल उन्हें याद नहीं करना चाहिए, हमें उनके द्वारा स्थापित हर सिद्धांत की रक्षा के लिए, उनके द्वारा हासिल किए गए, हर अधिकार की रक्षा के लिए और उनके द्वारा जिए गए और लड़े गए हर मूल्य को बनाए रखने के लिए उठना चाहिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी आंबेडकर जयंती पर संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खरगे की बात पर जोर से हंस पड़े पीएम मोदी

अंबेडकर जयंती के अवसर पर, पीएम मोदी और अन्य नेताओं ने संसद परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल पर भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच एक हल्का-फुल्का पल देखने को मिला, जो दो विरोधी नेताओं के बीच कभी-कभी ही देखने को मिलता है। अंबेडकर जयंती पर खरगे और पीएम मोदी की गर्मजोशी भरी मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी अंबडेकर जयंती के कार्यक्रम के दौरान संसद परिसर के प्रेरणा स्थल में सभी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे थे। इसी दौरान पीएम मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पास पहुंचते और उनसे हाथ मिलाते हैं। वीडियो में खरगे से हावभाव देखकर ऐसा लग रहा है कि उन्होंने मजाकिया अंदाज में पीएम मोदी से कुछ मजेदार बात कही, जिसे सुनकर पीएम मोदी खुद को नहीं रोक पाए और जोर-जोर से हंसने लगे।

सत्ता का दुरुपयोग करना संविधान के खिलाफ : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताते हुए पासपोर्ट विवाद में पवन खेड़ा का पूर्ण समर्थन किया है। यह मामला खेड़ा द्वारा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट रखने के आरोप और उसके बाद हुई कानूनी कार्रवाई से जुड़ा है, जिस पर कांग्रेस ने जांच की मांग की है। पर एक पोस्ट में गांधी ने हिमंता बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया और कांग्रेस के आरोपों की जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। वे कानून से नहीं बचेंगे। अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करना संविधान के खिलाफ है। उठाए जा रहे सवालों की जांच होनी चाहिए। पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का शासन हमारे संवैधानिक मूल्यों का आधार हैं। कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। हम डरेंगे नहीं। ये टिप्पणियां असम पुलिस द्वारा तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के बाद आईं, जिसमें पवन खेड़ा को 10 अप्रैल से एक सप्ताह के लिए कुछ शर्तों के साथ पारगमन जमानत दी गई थी।

नोएडा में कर्मचारियों के प्रदर्शन में फिर हुआ बवाल

» पत्थरबाजों को पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कल हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद नोएडा के फेज 2 में प्रदर्शनकारी आज फिर से जमा हो गए। उन्होंने पत्थरबाजी की है। हालात को काबू में करने के लिए यहां पुलिस तैनात कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, फेज 2 के सेक्टर 80 इलाके में सुबह नौ बजे पथराव किया गया था। यहां पथराव करने वालों पर लाठीचार्ज किया गया, तब भीड़ हटी।

बताया जा रहा है कि गुरु अमरदास इंटरनेशनल कंपनी में यह पथराव हुआ था। नोएडा फेज 2 में अराजकता का माहौल है। लोग चोरी छिपे अराजकता फैला रहे हैं। वहीं, सब-इंस्पेक्टर माता प्रसाद गुप्ता ने बताया कि कुछ शरारती तत्वों ने पत्थर फेंके हैं। जो लोग घरों की साफ-सफाई का काम करते हैं, वे अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे थे। हमने उनसे बात की तो उन्होंने पुलिस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। जिसकी वजह से मुझे भी चोटें आईं। कुछ लोगों को पकड़ लिया गया है और उनसे आगे पूछताछ की जाएगी।

गौतम बुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह कहती हैं कि हमें यह समझना होगा कि एक संगठित समूह है जो श्रमिकों को उकसा रहा है और सुनियोजित तरीके से इस मामले को आगे बढ़ा रहा है। पिछले कुछ दिनों में महज कई फर्जी ट्विटर हैंडल और अन्य सोशल मीडिया अकाउंट बनाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि कोई व्यक्ति किसी कॉल सेंटर का संचालन कर रहा है या तकनीक का इस्तेमाल करके उन्हें सुनियोजित ढंग से भड़का रहा है।

सरकार ने जांच के लिए बनाई कमेटी

नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुए हिंसक श्रमिक प्रदर्शनों के बाद, योगी सरकार ने औद्योगिक अशांति को समाप्त करने हेतु एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। यह कदम केवल जांच तक सीमित नहीं, बल्कि श्रमिक संघों और उद्योगपतियों के बीच संवाद स्थापित कर विवाद सुलझाने और क्षेत्र में औद्योगिक सद्भाव बहाल करने का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रयास है। यह कदम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद उठाया गया है। राज्य श्रम विभाग श्रमिकों के हितों की रक्षा और सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से कदम उठा रहा है, जिसका लक्ष्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद के माध्यम से औद्योगिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है। प्रशासन के अनुसार, इस समिति का गठन सभी हितधारकों से परामर्श करने और श्रमिकों की शिकायतों के समाधान की दिशा में काम करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से हाल के प्रदर्शनों के मद्देनजर। इस समिति की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास आयुक्त करेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एमएसएमई) और प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार) को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है, जबकि कानपुर से मनोनीत एक अधिकारी सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। समिति में श्रमिक संघों के पांच प्रतिनिधि और औद्योगिक संघों के तीन प्रतिनिधि भी शामिल हैं।उच्च स्तरीय समिति गौतम बुद्ध नगर जिले में पहुंच चुकी है और प्राथमिकता के आधार पर मुद्दों की जांच करने के बाद जल्द ही सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

राजस्थान के अलवर जिले में भीषण सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को राजस्थान के अलवर जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक निजी बस की केमिकल से भरे ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। घटना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पिना के पास हुई। यह बस इंदौर से दिल्ली जा रही थी।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे में बस ड्राइवर, एक महिला और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि हादसे की असल वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। लेकिन माना जा रहा है कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई होगी।

लद्दाख पर बातचीत में देरी से बढ़ रही नाराजगी : सोनम वांगचुक

» सामाजिक कार्यकर्ता बोले-केंद्र जल्द करे वार्ता, लोग कर रहे इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख के मुद्दों पर केंद्र से वार्ता फिर शुरू करने में हो रही देरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि संवाद में देरी लोगों में निराशा पैदा कर रही है। इससे लेह-कारगिल के बीच विभाजन की भावना भी बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को लद्दाख के प्रतिनिधियों से जल्द वार्ता शुरू करनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट में वांगचुक ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत उनकी नजरबंदी बिना शर्त हटाए जाने को एक महीना हो चुका है। इस फैसले से आपसी विश्वास बहाल होने और रचनात्मक संवाद शुरू होने की उम्मीद जगी थी लेकिन चार फरवरी को हुई पिछली बैठक के दो महीने बाद भी अगली वार्ता की तारीख घोषित नहीं की गई है। अगली दौर की बातचीत विश्वास और अविश्वास के बीच लटकी है और लद्दाख बातचीत का इंतजार कर रहा है।

ईरान-अमेरिका में फिर बातचीत की तैयारी

» अब जिनेवा में हो सकती है अगली बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते संकट गहराता जा रहा है। बीते दिनों इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के असफल होने के बाद हालात और अधिक जटिल हो गए हैं, जिससे वैश्विक चिंता बढ़ गई है।

हालांकि अब एक बार फिर दोनों देशों के बीच नई बातचीत की संभावना जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछली विफलता के बावजूद कूटनीतिक चैनल सक्रिय हैं और अगली शांति वार्ता की तैयारी

तेज हो गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह नया प्रयास तनाव को कम कर पाएगा या टकराव और बढ़ेगा?रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों देश इस हफ्ते के अंत तक फिर से आमने-सामने बैठ सकते हैं। यह बातचीत उस दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) से पहले हो सकती है, जो 21 अप्रैल को खत्म होने वाला है रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगली बातचीत के लिए जिनेवा को सबसे संभावित जगह माना जा रहा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि पिछली बार जैसी ही उच्च स्तरीय टीम इसमें शामिल होगी या नहीं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगर उन्हें लगेगा कि ईरान उनकी शर्तों को मानने के लिए तैयार है, तो वह जल्द ही फिर से आमने-सामने बातचीत के लिए तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक, दोनों देश पिछले छह हफ्तों से जारी तनाव को खत्म करने और समझौता करने की कोशिश में लगे हुए हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन हीं होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा